आराजी नं० 33 24299 1000Rs.

कोषाधिकारी
16 JUL 1999

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते
भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(32)

3400/-

मैं कि पारसनाथ सिंह पुत्र श्री जोखन सिंह साकिन मौजा पहाड़ी, परगना देहात अमानत, जिला वाराणसी का हूं ।

विदित हो कि जायदाद हसब तफसील जैल हम मिनमुकिर की तनहा सम्पत्ति है । जिसपर मिनमुकिर बतौर मालिक काबिज दखील हैं किसी दीगर व्यक्ति से कोई वास्ता ख्वाह सरोकार नहीं है । जिसे हस्तान्तरण करने का पूर्ण अधिकार मिनमुकिर को हासिल है । मिनमुकिर को इस समय रुपये की सख्त आवश्यकता वास्ते मरम्मत मकान व खर्च खानगी के दरपेश है । बिला बैनामा किये रुपये का मिलना व जरूरत का पूरा होना सम्भव नहीं है । मिनमुकिर जायदाद तफसील जैल को बेचने की बात चीत आम लोगो में चलाया जिसे खरीदने के लिये

-2-

श्रीमती सरिता सिंह पत्नी श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह साकिन मौजा मड़ाव, परगना देहात अमानत, तहसील व जिला वाराणसी तैयार हुयी और उसके एवज में मु0 20000/- बीस हजार रूपया दे रही है जो बाजार भाव से सही व उचित है । इससे ज्यादा कोई अन्य व्यक्ति देने के लिये तैयार नहीं है । कीमत मजकूर मिनमुकिर को कबूल व मंजूर है । पस मिनमुकिर अपने प्रसन्नतापूर्वक स्वस्थ चित्त होकर बिला किसी नाजायज दबाव के जायदाद तफसील जैल का बैनामा बएवज मु0 20000/-बीस हजार रूपया जिसका आधा मु0 10000/-दस हजार रूपया होता है बहक व बदस्त श्रीमती सरिता सिंह पत्नी श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह साकिन मौजा मड़ाव, परगना देहातअमानत, तहसील व जिला वाराणसी तहरीर व तकमील कर

Scanned by CamScanner

पाबन्द शरायत जैल का होता हूं ।

1- यह कि मिनमुकिर को कुल जर समन बैनामा हाजा मु0 20000/-बीस हजार रूपया सुरक्षा की दृष्टि से केवल बैनामा समक्ष गवाहान क्रेती मजकूर से प्राप्त हो गया है । अब एक भी पैसा जिम्मे क्रेती हम मिनमुकिर का बाकी नहीं रह गया ।

2- यह कि आज की तारीख तक जो जो हक व अधिकार जायदाद मुवज्या में मिनमुकिर को हासिल था वह सब हक व अधिकार आज की तारीख से क्रेती मजकूर बय व मुन्तकिल कर दिया तथा मिनमुकिर अपना कब्जा दखल हटा कर उसपर क्रेती का कब्जा दखल बतौर मालिक करादिया । अब क्रेती को हक हासिल है कि वह जायदाद मुवज्या पर काबिज दखील रहकर जो फैल

100Rs.

मालिकाना चाहे अमल में लावे तथा कागजात सरकारी से मिनमुकिर का नाम खारिज कराकर उसकी जगह अपना नाम दर्ज करा कर टैक्स आदि अदा कर रसीद अपने नाम से हासिल किया करेगी ।

3- यह कि जायदाद तफसील जैल हर प्रकार के वार देन व वार विफालत से पाक व साफ है कहीं रेहन खवाह जेर जमानत नहीं है अगर कोई बार बावत कब्जा दखल क्रेती के पैदा हो या कब्जा दखल होकर कुल या कुछ रकवा से निकल जावे तो ऐसी सूरत में क्रेती को हक हासिल होगा कि वह अपना कुल जर समन बेनामा हाजा मय सूद 2/-रू0 सैकड़ा माहवार की दर से मिनमुकिर की दीगर चल व अचल सम्पत्ति से वसूल कर लेवेगी ।

Scanned by CamScanner

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रूपये ONE HUNDRED RUPEES

4- यह कि जायदाद तफसील जेल मुख्य सड़क से 300मीटर से अधिक दूरी पर वाका हैं ।

5- यह कि जायदाद विक्रयशुदा सीलिंग एक्ट की धारा 10॥3॥से प्रभावित नहीं है और न राज्य सरकार द्वारा अधिग्रहित की गयी हैं ।

6- यह कि चूंकि बैनामा मु0 20000/-रू0में तय व पोख्ता हुआ है परन्तु सरकारी मालियत के हिसाब से मु0 34000/-रू0 पर आवश्यक स्टाम्प अदा किया जा रहा हैं ।

7- यह कि मिनमुकिर अनुसूचित जाति का नहीं हैं ।

8- यह कि जायदाद मुवइया के बावत कोई सट्टा पूर्व में तहरीर नहीं हुआ हैं ।

Scanned by CamScanner

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१००रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

१- यह कि मिनमुकिर ने कुल मजमून बैनामा हाजा को बखूबी पढ़ व पढ़वा कर सुन व समझ लिया है जिसकी हर आइना पाबन्दी मिनमुकिर व वारिसान व कायम मुकामान मिनमुकिर पर है व रहेगी ।

लिहाजा यह चन्द कलमा बतरीक बैनामा लाकलामी के लिख दिया कि सनद रहे व समय पर काम आवे ।

तफसील जायदाद जिसके बावत बैनामा लिखा गया-

आराजी नंबर 33 रकबा 1120 वर्गफीट जिसकी उत्तरी व दक्षिणी भुजा 20 फीट व पूरबी व पश्चिमी भुजा 56 फीट, स्थित मौजा गनेशपुर परगना देहात अमानत, तहसील व जिला वाराणसी हसब चौहद्दी जैल-

पूरब- जमीन रामजानकी शर्मा ।

Scanned by CamScanner

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु.

Rs 100

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

पश्चिम- जमीन मिनमुकिर ।

उत्तर- चकरोड ।

दक्षिण- जमीन क्रेता मजकूर ।

तहरीर तारीख: 19·7·99ई0।
नोट-पेज नं02 में सतर । व 12 में शब्द "प्रताप" बालाय
मसविदाकर्ता- सतर है सही है ।

टाईपकर्ता-
(राम निहोर सेठ)

कलक्टरी कचहरी,वाराणसी ।

१६०२
१५.६.७

१००) पारसनाथ सिंह पा. पचाँड़ी
वाराणसी

श्री प्रकाश शास्त्री
स्टाम्प विक्रेता
कलेक्ट्री कचहरी वाराणसी

आज दिनांक .... को यह फोटो स्टेट प्रति
पुस्तक संख्या .... खण्ड .... के पृष्ठ ....
में लेखपत्र संख्या .... पर रजिस्ट्री करण
की गयी तथा न.ता.पु.खण्ड .... के पृष्ठ ....
पर चस्पा है।

उप निबंधक II
वाराणसी

उप रजिस्ट्रार II वाराणसी-जिला वाराणसी
सत्यमेव जयते
उत्तर प्रदेश

2018-7-4

Scanned by CamScanner